

रहल पुं. (तत्.) लकड़ी का एक उपकरण जिस पर पुस्तक रखकर सुविधापूर्वक पढ़ी जाती है, इसे 'रुहेल' भी कहते हैं (प्रायः धार्मिक कृत्य या अनुष्ठान में पारायण करने के लिए पुस्तक को रहल पर रखकर पढ़ते हैं)।

रहवैया वि. (तद्.) रहने वाला, निवास करने वाला।

रहसि स्त्री. (तत्.) 1. एकांत स्थान 2. गुप्त स्थान
क्रि.वि. चुपचाप जैसे- "रहसि चली मुख मोरी"।

रहस्य वि. (तत्.) 1. मर्म, भेद, राज, जो आसानी से सबकी समझ में न आए, ऐसी कोई बात, विषय कार्य 2. गोपनीय रूप से किया गया कार्य 3. ऐसी बात, जानकारी जो सभी को न दी जा सके अपितु उसके लिए योग्य पात्रों को ही दी जाती हो, जिसका भेद सभी के सामने न खोला जा सके 4. किसी बात, वस्तु में छिपा तत्व जिसे सभी न समझ सके अथवा सभी को बताना उचित न हो, दुर्बोध्य तत्व 5. किसी के जीवन या चरित्र की गुप्त बात 6. आध्यात्मिक स्तर पर ईश्वर, जीव, माया, प्रकृति आदि से संबंधित ज्ञान जो साधारण व्यक्ति की समझ से बाहर हो और केवल ज्ञानी पुरुष ही सम्यक् साधना के द्वारा समझ तथा बता सके, आत्मा परमात्मा के भेद तत्व का ज्ञान।

रहस्य क्रीड़ा स्त्री. (तत्.) 1. दूसरों से छिप कर एकांत में प्रेमी-युगल द्वारा की जाने वाली क्रीड़ा 2. ईश्वर के अवतारों या महापुरुषों द्वारा लोकरंजन, लोक कल्याण के लिए किया गया कौतुक- कार्य जो जन सामान्य की समझ से परे हो।

रहस्यवाद पुं. (तत्.) दर्श. 1. अपनी अनुभूति द्वारा परमतत्त्व परमात्मा का प्रत्यक्ष साक्षात्कार करने की प्रवृत्ति, ध्यान चिंतन के द्वारा परम एवं परोक्ष सत्ता में तल्लीन होने का प्रयत्न काव्य. साहित्य की एक प्रवृत्ति, रहस्यवादी कवि प्रकृति में ईश्वर अपने प्रियतम के दर्शन करते हैं, महादेवी वर्मा, सुमित्रानंदन पंत आदि रहस्यवाद के प्रतिनिधि कवि हैं।

रहस्यवादी वि. (तत्.) रहस्यवाद का अनुयायी, रहस्यवाद संबंधी, रहस्यवाद से युक्त।

रहस्यात्मकता वि. (तत्.) जिसमें रहस्य हो, रहस्य युक्त, गोपनीयता, जो सहज रूप से समझने योग्य न हो।

रहस्योपासना स्त्री. (तत्.) ध्यान चिंतन के द्वारा परम सत्ता की अनुभूति, स्मरण एवं उपासना।

रहाना क्रि. (तत्.) रहना, होना।

रहित वि. (तत्.) (समासयुक्त पदों के अंत में प्रयुक्त) बिना, बगैर, हीन, जो किसी गुण, धर्म से रहित हो 2. त्यागा हुआ 3. मुक्त।

रहीम पुं. (अर.) 1. ईश्वर, दयालु, कृपालु 2. हिंदी के प्रसिद्ध कवि अब्दुलरहीम खानखाना का उपनाम।

रहुवा पुं. (देश.) मुफ्त की रोटियों पर पलने वाला, रोटी-तोड़।

रांगा पुं. (देश.) सफेद रंग की एक धातु जो कुछ मुलायम होती है, वंगधातु, टिन।

रांचना अ.क्रि. (तद्.) 1. रंग से युक्त करना, रंजित होना 2. अनुरक्त होना, लीन, मग्न होना, रमना 3. रीझना, प्रेम करना, चाहना 4. रचना करना।

राँजना अ.क्रि. (देश.) 1. रांगा का टांका लगाना, रांगा से जोड़ना, रांगा का मुलम्मा चढ़ाना 2. काजल लगाना।

राँटा पुं. (देश.) 1. टिटिहरी पक्षी 2. चर्खा 3. चोरों की सांकेतिक भाषा।

राँड/राँड़ स्त्री. (देश.) 1. विधवा स्त्री, बेवा 2. वेश्या, रंडी।

राँपी वि. (देश.) खुरपीनुमा एक उपकरण जिससे चमड़े को काटा, छीला और साफ किया जाता है, मोचियों का औजार।

राई स्त्री. (तद्.) एक प्रकार की बहुत छोटी सरसों, इसके फूल भी सरसों की तरह पीले होते हैं परंतु बीज हल्के काले या बादामी रंग के होते हैं मुहा. राई नोन उतारना- राई और नमक मिलाकर